वर्ष: 10 - अंक : 275, मुंबई, बुधवार, 13 जनवरी, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

मकर संक्रांती के शुभ अवसर पर

तील लड्डू ₹340/- 260/- Per Kg.

Scheme Valid upto: 20-01-21

शुध्द घी में बना केसरीया घेवर

MM MITHAIWALA

Malad (w) Tel.: 288 99 501

K/EAST WARD की लापरवाही

कभी भी जा सकती है हजारों लोगों की जान

चेयरमैन Chaumalji व सेक्रेटरी Kishan Saraogi की मनमानी से हजारों परिसर के नागरिकों की जान को बना हुआ है

खतरा

मुंबई। विले पार्ले पूर्व में **K/EAST** वार्ड की लपारवाही और संतोष को. हॉ. सोसायटी के चेयरमैन **Chaumalji** व सेक्रेटरी **Kishan Saraogi** की मिलीभगत का खमियाजा हजारों परिसर के नागरिकों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ सकती है। विले पार्ले पूर्व इलाके में स्थित बिल्डिंग संतोष को. हॉ. सोसायटी, सीटीएस नंबर–585, प्लाट नंबर–12ए, टी.पी. स्कीम नंबर–20, हिस्सा नंबर–1 के 48 फ्लैटों में से 38 अवैध रूप से चेयरमैन **Chaumalji** व सेक्रेटरी **Kishan Saraogi** की सांठगांठ से 1500 वर्ग फुट तक विस्तारित किया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बिल्डिंग की अवैध बांधकाम को रोकने की जगह चेयरमैन व सेक्रेटरी खुद परमीशन देकर करा रहे हैं धड़ल्ले से बिल्डिंग में अवैध बांधकाम

K/EAST वार्ड को संतोष को. हॉ. सोसायटी बिल्डिंग की इस अवैध निर्माण कार्य पर जल्द से जल्द रोक लगाना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना ना हो

संतोष को. हॉ. सोसायटी बिल्डिंग की क्षमता से डबल ज्यादा अवैध बांधकाम करके ओवरलोड कर दिया गया है, जिसकी वजह से कभी भी गिर सकती है यह बिल्डिंग

हमारी बात

कोरोना का टीका पहले नेता लें

कोरोना का टीका देश के लोगों को कैसे सुलभ करवाया जाएगा, इसके लिए केंद्र का स्वास्थ्य मंत्रालय पूरा इंतजाम कर रहा है लेकिन टीके के बारे में तरह-तरह के विचार भी सामने आ रहे हैं। कई वैज्ञानिकों का कहना है कि भारत में बने इस टीके का वैसा ही कठिन परीक्षण नहीं हुआ है, जैसा कि कुछ पश्चिमी देशों के टीकों का हुआ है। इसीलिए करोड़ों लोगों को यह टीका आनन-फानन क्यों लगवाया जा रहा है? भोपाल में एक ऐसे व्यक्ति की मौत को भी इस तर्क का आधार बनाया जा रहा है, जिसे परीक्षण-टीका दिया गया था। संबंधित अस्पताल ने स्पष्टीकरण दिया है कि उस रोगी की मौत का कारण यह टीका नहीं, कुछ अन्य रोग हैं। कुछ असहमत वैज्ञानिकों का यह मानना भी है कि अभी तक यह ही प्रमाणित नहीं हुआ है कि किसी को कोरोना रोग हुआ है या नहीं ? उसकी जांच पर भी भ्रम बना हुआ है। किस रोगी को कितनी दवा दी जाए आदि सवालों का भी ठोस जवाब उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में 30 करोड़ लोगों को टीका देने की बात खतरे से खाली नहीं है। इसके अलावा पिछले कुछ हफ्तों से कोरोना का प्रकोप काफी कम हो गया है। ऐसे में सरकार को इतनी जल्दी क्या पड़ी थी कि उसने इस टीके के लिए युद्ध-जैसा अभियान चलाने की घोषणा कर दी है? कुछ विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि सरकार यह टीका-अभियान इसलिए चला रही है कि देश की गिरती हुई अर्थ-व्यवस्था और किसान-आंदोलन से देशवासियों का ध्यान हटाना चाहती है। विपक्षी नेता ऐसा आरोप न लगाएं तो फिर वे विपक्षी कैसे कहलाएंगे लेकिन टीके की प्रामाणिकता के बारे में हमारे वैज्ञानिकों पर हमें भरोसा जरुर करना चाहिए। रुस और चीन जैसे देशों में हमसे पहले ही टीकाकरण शुरू हो गया है। यह ठीक है कि अमेरिका और ब्रिटेन में टीके को स्वीकृति तभी मिली है जबकि उसके पूरे परीक्षण हो गए हैं लेकिन हम यह न भूलें कि इन देशों में भारत के मुकाबले कोरोना कई गुना ज्यादा फैला है जबकि उनकी स्वास्थ्य-सेवाएं हमसे कहीं बेहतर हैं। हमारे यहां कोरोना उतार पर तो है ही, इसके अलावा हमारे आयुर्वेदिक और हकीमी काढ़े भी बड़े चमत्कारी हैं। इसीलिए डरने की जरुरत नहीं है। यदि टीके के कुछ गलत परिणाम दिखेंगे तो उसे तुरंत रोक दिया जाएगा लेकिन लोगों का डर दूर हो, उसके लिए क्या यह उचित नहीं होगा कि 16 जनवरी को सबसे पहला टीका हमारे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आगे होकर लगवाएं। जब अमेरिका के बाइडन, ब्रिटेन की महारानी और पोप भी तैयार हैं तो हमारे नेता भी पीछे क्यों रहें?

कांग्रेस के लिए उम्मीदों का साल!

नया साल कांग्रेस के लिए उम्मीदों का साल है। इस साल कांग्रेस भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में अपनी गंवा चुकी जगह को वापस हासिल करने की उम्मीद कर सकती है। हालांकि इस उम्मीद का पूरा होना आसान नहीं है। फिर भी यहीं साल है, जब कांग्रेस कुछ सकारात्मक होने की उम्मीद कर सकती है और उसकी तैयारी कर सकती है। इसके लिए कांग्रेस के पास अगले तीन महीने का समय है। अप्रैल-मई में होने वाले पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस का बहुत कुछ दांव पर है। अगर इस बार कांग्रेस ने सही कदम उठाए, सही राजनीतिक दांव चले और जीतने वाले या कम से कम बराबरी की टक्कर देने वाला गठबंधन बनाया तो अगले साल के चुनावों में कांग्रेस मुकाबले में रहेगी। इस साल जिन पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं उन राज्यों में भाजपा का मजबूत संगठन सिर्फ असम में है। पश्चिम बंगाल में भाजपा भले दो सौ सीट जीतने और सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चुनाव लड़ रही है, लेकिन हकीकत यह है कि उसकी लड़ाई संगठन और अपने नेताओं के दम पर नहीं, बल्कि भावनात्मक मुद्दों के दम पर है, जिसमें जीत हासिल होना एक संयोग ही होगा। बंगाल में भाजपा से बेहतर संगठन कांग्रेस पार्टी का है। ऐसे ही केरल में पिछले चुनाव में भाजपा 14 फीसदी वोट लेने में कामयाब रही थी पर इस बार वह प्रदर्शन दोहरा पाएगी, इसमें संदेह है। वहां सीधा मुकाबला कांग्रेस के गठबंधन बनाम लेफ्ट गठबंधन में है। तमिलनाडु में भाजपा को उसकी सहयोगी अन्ना डीएमके ने ही हैसियत दिखाते हुए कहा है कि उसे जितनी सीटें दी जाएंगी उतनी लेकर गठबंधन में रहना है तो रहे वरना बाहर जाए। पुड्डुचेरी में भी भाजपा के पास न संगठन है और न कोई नेता है। हां, उप राज्यपाल किरण बेदी जरूर, भाजपा की अलख जगाए हुए हैं। अगले साल सात राज्यों के चुनाव हैं, अगर इस साल कांग्रेस इन पांच राज्यों में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो पार्टी नेताओं का मनोबल बनाए रखना और पार्टी को एकजुट रखना मुश्किल हो जाएगा।

सबसे पहले पश्चिम बंगाल के चुनाव की बात करते हैं। पिछली बार की तरह कांग्रेस इस बार भी वाम मोर्चे के साथ मिल कर चुनाव लड़ रही है। पिछले चुनाव में कांग्रेस को वाम मोर्चे से तालमेल का लाभ मिला था वह अपनी सीटें बचाने में कामयाब रही थी और भले बहुत अंतर से सही, लेकिन राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बनी थी। लेकिन इस बार ऐसा होना मुश्किल लग

रहा है क्योंकि इस बार सीधा मुकाबला तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। इसके बावजूद कुछ सीटें ऐसी जरूर हैं, जहां सीधा मुकाबला नहीं है। कांग्रेस को इन्हीं त्रिकोणात्मक मुकाबले वाली सीटों की पहचान करनी होगी और वहां दम लगा कर लड़ना होगा। कांग्रेस ने अधीर रंजन चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बना कर बंगाल में पहला दांव ठीक चला है। अब अगर पार्टी वाम मोर्चे से तालमेल में अधीर चौधरी के असर वाले इलाके में ज्यादा सीटें लेकर लड़ती है तो वह सम्मानजनक सीटें हासिल कर सकती है। बिहार की तरह बहुत ज्यादा सीटें लेकर लड़ने की बजाय कांग्रेस को ऐसी सीटों पर लड़ना चाहिए, जहां उसके पास मजबूत उम्मीदवार हो और पहले से पार्टी का मजबूत संगठन हो।

असम में कुछ दिन पहले तक लग रहा था कि कांग्रेस महागठबंधन बना कर अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। पर तरुण गोगोई के निधन के बाद हालात बदल गए हैं। अब कांग्रेस के पास कोई ऐसा चेहरा नहीं है, जो सभी विपक्षी पार्टियों को एकजुट कर सके। दूसरी ओर भाजपा ने अपनी स्थिति मजबूत की है। उसने असम गण परिषद से तालमेल बनाए रखा। बोडोलैंड पीपुल्स पार्टी से जरूर उसका तालमेल खत्म हुआ है पर उसने इसके दो बड़े और असरदार नेताओं को तोड़ कर अपने साथ मिला लिया है। कांग्रेस के नेता बदरूद्दीन अजमल की पार्टी एआईयूडीएफ से तालमेल की बात कर रहे हैं। पर बेहतर होगा कि पार्टी अकेले लड़े क्योंकि कांग्रेस और अजमल के साथ आने से मुकाबला आमने-सामने का होगा और ऐसे में भाजपा को ध्रुवीकरण कराने में मदद मिलेगी। इससे बेहतर है कि कांग्रेस बहुकोणीय मुकाबला होने दे। ऑल असम स्टूडेंट यूनियन यानी आसू ने भी पार्टी बनाई है और अखिल गोगोई की पार्टी भी चुनाव लड़ेगी। हाग्राम मोहिलारी की बीपीएफ पहले से बोडोलैंड इलाके की मजबूत पार्टी है। अगर आसू, गोगोई और मोहिलारी की पार्टी से कांग्रेस का तालमेल हो तो कांग्रेस को बहुत फायदा हो सकता है। संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए की वजह से स्थानीय लोगों में जो नाराजगी है उनके एकमुश्त वोट इनको मिल सकते हैं। अगर ये पार्टियां अलग अलग लड़ती हैं तो सीएए विरोधी वोट बिखरेगा, जिसका फायदा भाजपा को होगा। तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके एक साथ हैं। लोकसभा चुनाव में इनके गठबंधन को शानदार जीत मिली थी। अगर विधानसभा चुनाव में गठबंधन वह प्रदर्शन दोहराता है तो फिर कांग्रेस महाराष्ट्र, झारखंड आदि राज्यों की तरह एक बड़ी क्षेत्रीय पार्टी के साथ सत्ता में साझीदार हो सकती है। यह भी कम बड़ी उपलब्धि नहीं होगी क्योंकि दोनों पार्टियां दस साल से राज्य की सत्ता से बाहर हैं। इसके लिए भी कांग्रेस को डीएमके के हिसाब से काम करना होगा। बिहार की तरह अगर वहां भी कांग्रेस ज्यादा सीटों के लिए अड़ी तो संतुलन बिगड़ेगा क्योंकि डीएमके और कांग्रेस के अलावा इस गठबंधन में दोनों कम्युनिस्ट पार्टियां हैं, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग है और दलित समुदाय में असर रखने वाली पार्टी वीसीके भी है। कांग्रेस को इसका ध्यान रखते हुए डीएमके नेता स्टालिन को अपने हिसाब से सीटों का बंटवारा और प्रचार की रणनीति तय करने देना चाहिए।

कांग्रेस अपने दम पर या अपने चुनाव पूर्व गठबंधन के साथ केरल में सरकार बनाने की उम्मीद कर सकती है। उम्मीद का आधार यह है कि केरल में हर पांच साल में सत्ता बदलती है। पांच साल एलडीएफ तो पांच साल कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ सत्ता में रहता है। अभी एलडीएफ की सरकार है और पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस गठबंधन ने इस राज्य में अभूतपूर्व प्रदर्शन किया, राहुल गांधी इसी राज्य की वायनाड सीट से सांसद हैं, ऐसे में कांग्रेस अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद कर सकती है। हाल में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में लेफ्ट मोर्चे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। लेकिन वह विधानसभा चुनाव के आकलन का आधार नहीं हो सकता है क्योंकि निकाय चुनावों में आमतौर पर सत्तारूढ़ दल को ही जीत मिलती है। भाजपा प्रदेश में बड़े अंतर से नंबर तीन की पार्टी है। इसलिए, मुकाबला एलडीएफ बनाम यूडीएफ होगा। अगर कांग्रेस गठबंधन की सहयोगियों के साथ ठीक तरीके से सीटों का बंटवारा करती है और आपस में लड़ रहे पार्टी के बड़े नेताओं के बीच की गुटबाजी को खत्म करके चुनाव लड़ती है तो केरल की सत्ता में उसकी वापसी हो सकती है। जहां तक पुड्डुचेरी का सवाल है तो वह एकमात्र राज्य है, जहां कांग्रेस की सरकार है। लेकिन वहां भी कांग्रेस गठबंधन के जरिए ही अपने को बचा सकती है।

ये विनाश कौन रोकेगा?

पर्यावरण प्रेमी उचित ही उत्तराखंड में गणेशपुर-देहरादून सड़क को बनाए जाने की अनुमति दिए जाने से निराश हैं। ये अनुमति नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ ने दी है। राष्ट्रीय राज्य-मार्ग 72-ए के नाम से जानी जाने वाली इस सड़क को बनाने के लिए दो अभयारण्यों के एक बड़े इलाके को साफ किया जाएगा। ये सड़क मूल रूप से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे का विस्तार होगी। एक्सप्रेस-वे का लगभग 20 किलोमीटर का हिस्सा राजाजी बाघ रिजर्व और शिवालिक हाथी रिजर्व के बीच से हो कर गुजरेगा। राजाजी लगभग 1,075 वर्ग किलोमीटर में फैला बाघों का रिजर्व है, जिसमें कम से कम 18 बाघ, एशियाई हाथी, तेंदुआ, स्लॉथ भालू जैसे कम से कम 50 पशुओं की प्रजातियां, 300 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियां और कई तरह के पेड़-पौधे पाए जाते हैं। अगर यह सड़क बनी, तो उत्तराखंड को राजाजी के अंदर के करीब 10 हेक्टेयर में फैले जंगलों और

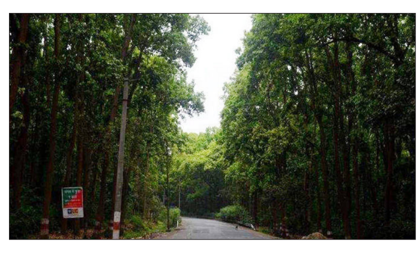

2,500 पेड़ों को खत्म करना पड़ेगा। इस सड़क के लिए उत्तर प्रदेश को भी शिवालिक हाथी रिजर्व के अंदर 47 हेक्टेयर में फैले जंगलों को गंवाना पड़ेगा। शिवालिक एशियाई हाथियों के लिए 5,000 वर्ग किलोमीटर से भी ज्यादा इलाके में फैला रिजर्व है। जानकारों का कहना है कि नई सड़क बनने से यात्रा में बस 10 मिनट की बचत होगी। तो सवाल है कि सिर्फ इतनी सी बचत के लिए 2,500 पेड़ों को काट देना कहां तक वाजिब है। मगर आज जबकि असहमति की कोई बात नहीं सुनी जाती, ये सवाल किससे किया जाएगा? आज का दौर वह है, जिसमें सरकार जो फैसला कर दे, उम्मीद की जाती है कि लोग उसे चुपचाप मान लें। इस तरह अगर सरकार को पर्यावरण की फिक्र नहीं है, तो नागरिकों की फिक्र एक तरह से बेमतलब हो जाती है। गौरतलब है कि पहले ही उत्तराखंड में महत्वाकांक्षी चार धाम सड़क परियोजना और जॉली ग्रांट हवाई अड्डा परियोजना के लिए कई हजार पेड़ काट जाने हैं। जबकि तमाम विशेषज्ञ इस बात से सहमत हैं कि उत्तराखंड पहले ही पेड़ों और पहाड़ों को काटे जाने का खामियाजा भुगत रहा है। पहाड़ी इलाकों में पेड़ों के कटने से मिट्टी कमजोर हो जाती है। भू-स्खलन का खतरा बढ़ जाता है। पेड़ काटने से इलाके का मौसम भी खुश्क हो जाता है और जलवायु परिवर्तन की गति तेज करता है। लेकिन ऐसा लगता है कि विकास की अंधी दौड़ में सरकार बिल्कुल अपनी दृष्टि खो चुकी है।

बॉलीवुड ड्रग्स केस

17 घंटे पूछताछ के बाद एनसीबी ने मुंबई के फेमस मुच्छड़ पानवाला को किया अरेस्ट

ड्रग सप्लायर ने बताया था उसका नाम

मुंबई। बॉलीवुड में ड्रग्स एंगल की जांच कर रहे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मंगलवार तड़के मुंबई के फेमस मुच्छड़ पानवाला यानी रामशंकर तिवारी को अरेस्ट कर लिया। इससे पहले तिवारी से पूरी रात पूछताछ की गई। एनसीबी ने सोमवार को मुच्छड़ पानवाले को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। रामशंकर तिवारी सोमवार सुबह 10 बजे एनसीबी के दफ्तर पहुंचे थे। वहां उनसे 17

घंटे पूछताछ की गई। इस मामले में शनिवार को पकड़े गए ब्रिटिश नागरिक करण सजनानी से पूछताछ में मुच्छड़ पानवाले का नाम सामने आया था। एनसीबी सूत्रों के मुताबिक, मुच्छड़ पानवाला भी सजनानी के ग्राहकों में शामिल था। अंतरराष्ट्रीय स्तर के एक ड्रग सप्लायर ने भी उसका नाम लिया था। इसके बाद मुच्छड़ पानवाले की केंप्स कॉर्नर की दुकान से बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद की गई थी। एनसीबी ने दो दिन पहले ही बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा की पूर्व मैनेजर राहिला फर्नीचरवाला, उनकी बहन सहित 2 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था।

कौन है मुच्छड़ पानवाला? : मुच्छड़ पानवाला नाम की दुकान 45 साल पहले उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (प्रयागराज) स्थित तिवारीपुर के रहने वाले पंडित श्यामचरण तिवारी ने खोली थी। मुंबई मलाबार हिल के कैंप कॉर्नर में अब यह दुकान तिवारी के बेटे जयशंकर तिवारी अपने तीन भाइयों के साथ चलाते हैं। तिवारी परिवार के सभी लोग अपनी बड़ी-बड़ी मूछों के कारण पहचाने जाते हैं। मुच्छड़ पानवाला के ग्राहकों में कई फिल्मी हस्तियां, उद्योगपति और नेता शामिल हैं। इसके अलावा दुकान के बाहर आम लोगों की भी पान खरीदने के लिए लाइन लगती है। दुकान से ऑनलाइन पान मंगाने की भी सुविधा ग्राहकों को दी जाती है।

अर्जुन रामपाल की बहन से हुई थी पूछताछ

ड्रग्स मामले में एनसीबी ने सोमवार को अभिनेता अर्जुन रामपाल की बहन कोमल से पूछताछ की थी। इससे पहले रामपाल और उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला से भी पूछताछ हो चुकी है। दोनों के घर एनसीबी ने छापेमारी की थी। इस दौरान प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गई थीं। इसके अलावा रामपाल ने दवा के लिए डॉक्टर की जो पर्ची दिखाई थी वह सही नहीं थी। इस मामले में दिल्ली के डॉक्टर से पूछताछ की गई तो पता चला कि पारिवारिक दोस्त के जरिए उनसे संपर्क किया गया था। इसके बाद उन्होंने पर्ची बना दी थी। पूछताछ में रामपाल ने दावा किया था कि बरामद दवा उनकी बहन की थी। इसके बाद एनसीबी ने कोमल को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था।

ड्रग्स मामले में अब तक 40 गिरफ्तार

अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद एनसीबी को बॉलीवुड में बड़े ड्रग्स सिंडीकेट का पता चला था। सेंट्रल एजेंसी ने इस मामले में एक्शन लेते हुए सुशांत की गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शोविक चक्रवर्ती समेत 40 से ज्यादा लोगों को अलग-अलग मामलों में अरेस्ट किया है। इनमें कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति भी शामिल हैं। इसके अलावा, ड्रग्स मामले में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, श्रद्धा कपूर और रकुलप्रीत सिंह से पूछताछ की गई है। जांच के घेरे में अभिनेता अर्जुन रामपाल और उनके करीब रहने वाले कई अन्य लोग भी शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, एनसीबी जल्द कई बड़ी नामचीन हस्तियों को पूछताछ के लिए बुलाने वाली है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

K/EAST वार्ड की लापरवाही

बता दें कि आप इतना अवैध बांधकाम कहीं नहीं देखा होगा जितना इस बिल्डिंग की क्षमता से डबल ज्यादा अवैध बांधकाम करके इस बिल्डिंग को ओवरलोड कर दिया गया है। जिसके कारण इसका खामियाजा हजारों लोगों को अपनी जान देकर कभी भी चुकाना पड़ सकता है। संतोष को. हॉ. सोसायटी बिल्डिंग का क्षमता से ज्यादा ओवरलोड होने की वजह से भविष्य में इस अवैध बांधकाम से बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है, और चेयरमैन Chaumalji व सेक्रेटरी Kishan Saraogi को इस काम के लिए रोकना चाहिए, लेकिन चेयरमैन Chaumalji व सेक्रेटरी Kishan Saraogi खुद बिल्डिंग की इस अवैध बांधकाम को धड़ल्ले से परमीशन देकर हजारों परिसर के नागरिकों की मौत का तमासा देखने के लिए चैन से सो रहे हैं। K/EAST वार्ड को संतोष को. हॉ. सोसायटी बिल्डिंग की अवैध निर्माण कार्य पर जल्द से जल्द रोक लगाना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना ना हो।

मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइड 2021

महिलाओं के लिए सबसे बड़ा अवसर

मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइड 2021, महिलाओं के लिए सबसे बड़ा अवसर है। एकमात्र मंच जो महिलाओं को खुद को दिखाने और वहां प्रतिभा दिखाने की अनुमति देता है और इस बार हम 24 जनवरी को मुंबई ऑडिशन के साथ अपने सबसे बड़े सौंदर्य प्रतियोगिता के साथ वापस आ रहे हैं। मिसेज इंडिया वर्ल्ड वाइड स्कैन करके या दिये हुए नंबर पर संपर्क करें 8588055443.

संगीनों के साए में वैक्सीन ट्रांसपोर्टेशन

पुणे के सीरम इंस्टीट्यूट से 25 मिनट में एयरपोर्ट पहुंचे 3 ट्रक, आगे-पीछे हथियारबंद सुरक्षाकर्मी थे

संवाददाता

पुणे। सीरम इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, पुणे द्वारा तैयार की गई कोरोना वैक्सीन 'कोवीशील्ड' की पहली खेप विशेष फ्लाइट्स से 13 अलग-अलग शहरों के लिए रवाना हुई। वैक्सीन को तीन ट्रकों में भरकर पुणे के लोहगांव एयरपोर्ट तक ले जाया गया, इस दौरान पूरे रास्ते में ट्रकों के आगे और पीछे पुणे पुलिस की कड़ी सिक्योरिटी थी। ट्रकों को रवाना करने से पहले तीनों की पूजा की गई। वैक्सीन से लदे ट्रक के ड्राइवर विक्ट्री साइन बनाकर सीरम इंस्टीट्यूट के गेट से बाहर निकले। तीनों ट्रक तड़के 4.30 बजे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के हड़पसर प्लांट से निकले। ट्रक के आगे हड़पसर पुलिस स्टेशन का एक एस्कॉर्ट चल रहा था, इसमें एक सब इंस्पेक्टर और चार हथियारबंद कांस्टेबल थे। पुणे ट्रैफिक डिपार्टमेंट में सीरम इंस्टीट्यूट से एयरपोर्ट तक यानी हड़पसर से विमान नगर तक ट्रकों के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया था। ट्रकों के पीछे भी एक एस्कॉर्ट वैन थी, जिसमें ड्राइवर समेत 10 पुलिसकर्मी हथियार से लैस बैठे हुए थे। एयरपोर्ट पहुंचने के बाद भी पुणे पुलिस ने ही सभी कन्टेनर्स को अपनी निगरानी में कार्गो पाइंट तक पहुंचाया। हड़पसर से पुणे के इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक इन ट्रकों ने तकरीबन 25 मिनट में यह सफर पूरा किया। इस पूरी यात्रा के दौरान सड़क के दोनों ओर हड़पसर, खड़की और विमान नगर पुलिस स्टेशन के जवान तैनात थे। इस दौरान किसी भी प्राइवेट वाहन को सड़क पर चलने की अनुमति नहीं दी गई थी।

56.5 लाख डोज इन 13 शहरों तक पहुंचेगे

एयर इंडिया, स्पाइसजेट और इंडिगो एयरलाइंस की 9 फ्लाइट्स 56.5 लाख डोज के साथ पुणे से दिल्ली, चेन्नई, कोलकाता, गुवाहाटी, शिलांग, अहमदाबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, भुवनेश्वर, पटना, बेंगलुरु, लखनऊ और चंडीगढ़ के लिए रवाना हुईं।

टीके का दाम 210 रुपए

सोमवार के दिन भारत सरकार की तरफ से सीरम को 1.1 करोड़ वैक्सीन की खुराक खरीदने की अधिकारिक पुष्टि की गई थी। सूत्रों के अनुसार, सरकार को दी जा रही वैक्सीन की प्रत्येक खुराक की कीमत 210 रुपए रखी गई है।

मुंबई के पुलिस कमिश्नर मा. श्री परमबीर सिंह और श्री विश्वास नांगरे पाटिल द्वारा सर्वक्षेष्ठ डिटेक्शन के लिए प्रशंसापत्र और प्रतीक स्वीकार करते हुए पीएसआई अपराध सम्मान श्री Hassan Mullani.

नई ऊर्जा के साथ अब मैदान में उतरेगी कांग्रेस सेवादल

किसानों, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर नवयुवकों पर होगा फोकस

गाजियाबाद। कांग्रेस का जमीनी मोर्चा कांग्रेस सेवादल अब पूरे दमखम के साथ मैदान में उतरेगा। इसके लिए पार्टी हाईकमान से लेकर सेवादल हाईकमान तक गंभीर दिख रहे हैं। इसको लेकर गंभीर मंथन चल रहा है कि आखिरपार्टी के इस कैडर संगठन को कैसे और मजबूती के साथ मैदान में उतारा जाए और इसके जरिये कैसे जनहित के मुद्दों को पहुंचाया जाए। इसको लेकर कांग्रेस सेवा दल मजबूती की राह पर चल पड़ा है।

आपको बता दें कि कांग्रेस सेवादल कांग्रेस पार्टी का वह जमीनी मोर्चा (कैडर संगठन) है जिससे कभी अंग्रेज भी खौफ खाया करते थे। सेवादल ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ लंबा संघर्ष किया था। 28 दिसंबर 1923 को इस मोर्चे का गठन स्वतंत्र रूप से हुआ था बाद में इसे कांग्रेस से जोड़ दिया गया था। संगठन कितना अनुशासित और जज्बे के लिए जाना जाता है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 1959 में पंडित जवाहरलाल नेहरू नासिक अधिवेशन में शामिल होने के लिए गए थे लेकिन वहां पर तैनात मोर्चा के सैनिक कमलाकर शर्मा ने उन्हें गेट पर ही रोक दिया था जिस पर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने कमलाकर शर्मा से कहा था कि क्या आप मुझे जानते नहीं कमलाकर शर्मा ने कहा था कि मैं आपको जानता हूं लेकिन आप अनुशासन तोड़ रहे हैं। आपने अभी तक बेज नहीं लगा रखा है इसके बाद पंडित नेहरू ने बेज लगाया तभी उन्हें प्रवेश दिया गया। यह संगठन फौजी अनुशासन और जज्बे के लिए जाना जाता है। इसका संचालन भी बिल्कुल फौजी तरीके से किया जाता था। डॉ राजेंद्र प्रसाद सुभाष चंद्र बोस राजगुरु जैसी शख्सियत भी एक जमाने में सेवादल से जुड़े रहे थे। यहां तक कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने पुत्र राजीव गांधी

को भी सेवादल के माध्यम से ही कांग्रेस पार्टी में एंट्री कराई थी लेकिन पिछले कुछ सालों से कांग्रेस की कमजोरी के साथ साथ सेवादल भी कुछ कमजोर हो गया। इतिहास गवाह है कि जब जब कांग्रेस मजबूत हुई है उसके पीछे सेवादल ही प्रमुख बेस ररहा है। अब पार्टी हाईकमान ने सक्रियता दिखाते हुए इस संगठन को जमीनी स्तर पर ले जाने के लिए कमर कस ली है। सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल जी देसाई कहते हैं कि कांग्रेस सेवा दल सेवक आम लोगों जनता की सेवा के लिए जाना जाता है इसलिए जब भी मौका पड़ता है कोई प्राकृतिक आपदा आती है तो कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ता खड़े मिलते हैं और पूर्ण मनोयोग से पीड़ितों की सेवा करते हैं। अब संगठन को और सक्रिय किया जा रहा है। कांग्रेस सेवा दल के नवनियुक्त राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी आजाद खालिद कहते हैं कि कांग्रेस सेवा दल जमीनी स्तर पर जुड़ा हुआ एक संगठन है अब आम जनता में जागरूकता फैलाने के लिए उसकी सेवा करने के लिए संगठन अपने तमाम कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ मिलकर काम करेगा। उन्होंने बताया कि पार्टी हाईकमान के निर्देश पर जो संगठन के पुराने लोग हैं समर्पित लोग हैं उनको सम्मान के साथ मैदान में उतारा जाएगा और नए लोगों की टीम भी खड़ी की जाएगी। आज की नौजवान पीढ़ी को यह बताया जाएगा की कांग्रेस और सेवा दल का देश को आजाद कराने और विकसित करने पर कितना बड़ा योगदान रहा है। इतना ही नहीं सेवादल आम लोगों की सेवा करने में भी पीछे नहीं रहेगा। सेवादल अभी भी जनसेवा के कार्य जैसे प्रकृतिक आपदा के दौरान लोगों की सहायता करना, लजरूरतमंदों के लिए ब्लड डोनेट करना जैसे कार्य करता आया है और आगे भी करेगा। उनका कहना है कि नौजवान पीढ़ी को इसके लिए प्रेरित भी करेगा। उनका कहना है कि अब सेवादल अपने कैडर को और मजबूती देने के लिए रणनीति बना रहा है तथा बेरोजगारी, किसानों की समस्या, महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, महिला उत्पीड़न जैसे गम्भीर मामलों को जनता के बीच ले जाने का काम सेवादल करेगा। कांग्रेस पार्टी के जो अन्यफ्रंटल ऑर्गनाइजेशन हैं उनके साथ भी समन्वय स्थापित करके कांग्रेस पार्टी में सेवादल को मजबूत किया जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, बुधवार
13 जनवरी, 2021

बुलढाणा हलचल

किसानों के संयम का अंत न देखें

किसान आंदोलन के मुख्य मंच से प्रशांत सोनुने ने सरकार को दी चेतावनी

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। देश वर्तमान में दो विषम संस्कृतियों, कॉपोर्रेट संस्कृति और कृषि-संस्कृति से जूझ रहा है, और सरकार कॉपोर्रेट क्षेत्र में दलालों की धुन पर नाच रही है। फिर भी, किसान संयम के साथ इस व्यवस्था के खिलाफ लड़ रहे हैं। लेकिन हमारे संयम के अंत को न देखें, अन्यथा गंभीर परिणाम होंगे, दिल्ली में किसान आंदोलन के मुख्य मंच से सत्यशोधक शेतकरी सभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रशांत सोनुने ने चेतावनी दी।केंद्रीय कृषि अधिनियम के खिलाफ देश भर के किसानों द्वारा किए गए अभूतपूर्व जन आंदोलन में भाग लेने के लिए 'घेरा डालो, डेरा डोलो' किसान संघर्ष समूह में सत्यशोधक शेट्टारी सभा के दो सौ से अधिक किसान अपने राशन पानी के साथ दिल्ली पहुंचे हैं। विभिन्न राज्यों के किसान संगठनों के साथ सत्यशोधक सभा के कार्यकताओं ने शाजापुर सीमा पर डेरा डाल दिया है। इस बीच, प्रशांत सोन्यून ने टिकरी और सिंधु सीमा पर किसानों के आंदोलन के मुख्य मंच से किसानों को संबोधित करते हुए, सरकार की किसान विरोधी नीति की बहुत आक्रामक तरीके से आलोचना की। देश की अर्थव्यवस्था का मार्ग कृषि के माध्यम से है। हालांकि, इस साल देश की जीडीपी में 23 फीसदी की कमी आई है। सरकार कॉरपोरेट लॉबी के दबाव और हितों से अंधी है। वे ठंडे पानी में किसान को आंदोलन करते नहीं देखते। उनकी समस्याओं को नही देख रही है। इसके विपरीत, सरकार इन किसानों को नक्सली, आतंकवादी और खालिस्तानवादी करार देने की साजिश रच रही है।केवल वही हैं जो असीमित शोषण के माध्यम से शुद्ध लाभ कमाने का लक्ष्य रखते हैं। आतंकवाद, डराना, भय, आतंक, रक्तपात, शत्रुता, घृणा कॉपोर्रेट सेक्टर की पहचान हैं, जबकि खेती संस्कृति श्रम, भाईचारा, सहिष्णुता, सामुदायिक विकास, ईमानदारी, प्रेम, अपनेपन और आत्मीयता सिखाती है।भाषण के दौरान दिए गए विभिन्न संदर्भों और क्रांतिकारी कविता के कारण, सोन्यून के भाषण को आंदोलन के प्रमुख नेताओं द्वारा देखा गया था। और सोनुने के भाषण को विभिन्न समाचार चैनलों पर भी प्रसारित किया गया। सामाजिक, साहित्यिक, राजनीतिक गणमान्य व्यक्ति, स्वरा भास्कर और सिनेवर्ल्ड के कई अन्य दिग्गज कलाकारों ने भी सांस्कृतिक प्रतिरोध का विरोध किया। इंदौर, उज्जैन, कोटा, जयपुर और अन्य स्थानों पर घेरा डालो डेरा दालो का अनायास स्वागत किया गया।

धर्मवीर अखाड़े की ओर से राष्ट्रमाता जिजाऊ जयंतीनिमित्य जिजाऊ वंदना

बुलडाणा। धर्मवीर अखाड़ा की ओर से, राष्ट्रमाता जीजाऊ मॉ साहेब की जयंती के अवसर पर, 12 जनवरी 2021 को, धर्मवीर अखाडा अध्यक्ष मृत्युंजय उर्फ कुणाल संजूभाऊ गायकवाड़, ओर से हिंदवी स्वराज्य संस्थापक छत्रपती शिवाजी महाराज महा आरती और जी युवा संगीत सम्राट फेम शिवशिर रामानंद उगले का शाहिरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुलडाना निर्वाचन क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक धर्मवीर संजूभाऊ गायकवाड़ और पूर्व महापौर श्रीमती कार्यक्रम की शुरूआत पूजाताई संजय गायकवाड़ के हाथों जिजाऊ साहेब की मूर्ति की पूजा करके कार्यक्रम की शुरूआत की गई। उसी समय, छत्रपति शिवाजी और शंभुराज की छवि की पूजा की गई और धर्मवीर अखाडा के अध्यक्ष मृत्युंजय गायकवाड़ द्वारा एक माल्यार्पण किया गया। उसके बाद शिवशिर रामानंद उगले ने उत्कृष्ट पोवडे और महाराष्ट्र गीतों का प्रदर्शन किया। प्राची मदिवाले की मधुर आवाज में जीजाऊ वंदना की गई।

रामपुर हलचल

व्यापार मंडल की एक सभा का आयोजन तहसील सभागार में किया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। व्यापार मंडल की एक सभा का आयोजन तहसील सभागार में किया गया मीटिंग की अध्यक्षता एस.डी. एम निधि डोडवाल ने की जिस में नगर से सम्बंधित अनेकों प्रकार समस्याओं को लेकर विचार विमर्श किया गया सर्वप्रथम नगर के मुख्य मार्ग पर जाम की समस्या को लेकर कहा कि मुख्य मार्ग की समस्या जो काफी गम्भीर जनक है दुकानदारों ने अपनी एक जुटता को दिखाते हुए जागरूकता को देखते हुए अपील करते हुए कहा कि दुकानदार अपना सामान नाले की सीमित्ता तक ही रखें किसी ठेला या वाहन को दुकान के सामने खड़ा न होने दें इसी आधार पर जाम की समस्या से निपटा जा सकता है एस डी एम निधि डोडवाल ने व्यापारियों को जाम की समस्या के समाधान में सहयोग देने की बात कही नगर अध्यक्ष व्यापार मंडल हाजी मुशर्रफ ने भी मार्ग पर ओवर वाहनों के चलते मार्ग पर अक्सर जाम की स्थिति होने के साथ साथ स्पीड वाले वाहनों पर लगाम कसनी चाहिये ठेले वालों व ई रिक्शा वालों के लिए अलग से स्थान चिन्हित किये जाने की मांग रखी जिसपर एस डी एम उन्हें भरपूर आशवासन भी दिया इसके अलावा मुख्य मार्ग पर सड़क के किनारे बिजली के खम्भो को हटाये जाने की मांग रखते हुए एस डी एम ने खम्भो को हटाये जाने का शीघ्र आशवासन दिया गया साथ ही ट्रेफिक पुलिस की भी मांग की गई जिसके चलते जाम की समस्या से छुटकारा मिल सके सभी कार्यों की सराहना की गई इस मौके पर एस डी एम निधि डोडवाल, कोतवाल माधो सिंह विष्ट अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, महबूब अली, मु० अजीम, विनोद वर्मा, अजमत अली, अकीलुरर्हमान, हाजी अ० समद, मु० सलीम हाजी अ० रशीद, मु० उस्मान आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अमरावती हलचल

सेवा दल नगर से अजमेर के लिये जत्था कटला रिक्शा से रवाना

अमरावती। हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला अलेह के चाहने वालों की संख्या भारत ही नहीं एशिया भर के अंदर बड़ी संख्या में मौजूद है उनकी आस्थाने दरबार पर हाजिरी देने वाले अलग-अलग उपक्रम से जाते हैं उसी कड़ी सेवा दल नगर अमरावती महाराष्ट्र से कुछ बुजुर्ग और युवा कटला रिक्शा से अमरावती से राजस्थान के शहर अजमेर में हाजिरी देने निकले हैं कड़ाके की सर्दी में यह लोग 9 दिन सफर करके वहां पहुंचेंगे इसी के मद्देनजर परिसर वासियों ने उनका जोरदार स्वागत किया साथ-साथ मुस्लिम यूथ लीग प्रदेश अध्यक्ष इमरान अशरफी युवा नेता इरशाद पठान के साथ कई लोगों ने उन्हें मुबारकबाद दी और उनका हौसला अफजाई की और रवाना किया।

शाहिन बाग दिल्ली में नजमा काजी का दादी के हाथों भव्य सत्कार किया गया

अमरावती। हाल ही में समाज सेविका नसीलर नजमुन्निसा उर्फ नजमा काजी को दिल्ली बुलाया गया और शाहिन बाग सोसायटी की ओर से दादी के हाथों मोमेंटो देकर भव्य सम्मान व सत्कार किया गया। सीएए-एनआरसी आंदोलनो में अमूल्य सहकार्य करने पर और महिलाओं के लिए सरहानीय काम करने, लॉकडाउन के चलते गरीब जरुरतमंदो को राशन, मास्क व सेनिटायझर देने मदत करने कोरोना से बचने जन जाग्रुती करने महिलाओ के लिये हमेशा तत्पर रहने वालि नजमा काज़ी को दिल्ली बुलाकर शाहिन बाग की दादी के हाथों सम्मान चिन्ह देकर सम्मान सत्कार किया, अमरावती की शाहिन जैसे अलफाजो से दादी ने नजमा काज़ी को नवाजा।

लॉकडाउन के दौरान सड़कों पर कार दौड़ाने के मामले में एक्ट्रेस पूनम पांडे से मुंबई पुलिस ने 3 घंटे की पूछताछ

मुंबई। विवादों में रहने वाली एक्ट्रेस और मॉडल पूनम पांडे मंगलवार को मुंबई के आजाद मैदान पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पहुंची। यहां उनसे तकरीबन तीन घंटे पूछताछ हुई है। पूनम पांडे पर मई 2020 में कोरोना लॉकडाउन के दौरान मुंबई की सड़कों पर बीएमडब्ल्यू कार में घूमने का आरोप है। दोनों ने कार से मुंबई के बांद्रा से मरीन ड्राइव तक की यात्रा की थी। एक्ट्रेस के खिलाफ राष्ट्रीय आपदा अधिनियम की धारा 188(लोक सेवक द्वारा पारित आदेश की अवहेलना), आईपीसी की धारा 269 (जीवन के लिए खतरनाक बीमारी के संक्रमण को फैलाने के लिए लापरवाही से काम करने की लापरवाही) और 51 (बी) के तहत केस दर्ज किया गया था। जिसके बाद एक्ट्रेस को कुछ महीने पहले उनके दोस्त सैम अहमद के साथ मुंबई के एक फाइव स्टार होटल के बाहर से अरेस्ट किया गया था। हालांकि, बाद में दोनों को जमानत दे दी गई। इस दौरान पुलिस ने उनकी कार भी जप्त कर ली थी। इसी मामले में एक्ट्रेस से पूछताछ हुई है। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि एक्ट्रेस से इतने दिन बाद क्यों पूछताछ हुई है।

10 खतरनाक ब्यूटी ट्रीटमेंट जिन्हें बड़े शौक से कराती है ये खूबसूरत अभिनेत्रियां

खूबसूरत और आकर्षक दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते। जिसके पास जितना पैसा होता है, वह उतना ही महंगा ब्यूटी ट्रीटमेंट कराता है। अब सेलिब्रिटीज की ही बात करें तो ऐसी कई हस्तियां हैं जिनके चेहरे की खूबसूरती की वजह ऐसे ट्रीटमेंट होते हैं, जिनका नाम सुनते ही आप डर जाएं। आज हम आपको ऐसी ही कुछ हस्तियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके अजीबोगरीब ब्यूटी ट्रीटमेंट के बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

जानें क्या हैं ये अजीबोगरीब ब्यूटी ट्रीटमेंटः-

- वैम्पायर फैशियल

खून के माध्यम से फेसलिफ्ट की एक नई तकनीक है, जिसे अमरीकी मॉडल किम कादर्शिया भी करवाती है। इसमें मरीज के शरीर से थोड़ा खून निकालकर उसमें से प्लेटलेट्स, सीरम और हीमोग्लोबिन को अलग कर दिया जाता है। साथ ही दूसरे तत्व जैसे अमीनो एसिड आदि को सीरम में डालकर फिर उसे इंजेक्शन के माध्यम से शरीर में डाल दिया जाता है। ये त्वचा से झुर्रियों को खत्म करने और उसे निखारने में मदद करता है।

- बर्ड पू फेशियल

यह एक जापानी ब्यूटी ट्रीटमेंट है, जिसे डिजाइनर विक्टोरिया बैकहम भी करवाती है। इसमें चिड़िया का मल फेशियल के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें मौजूद मैजिकल इंग्रीडिएंट्स डेड सेल्स को हटाकर ग्लोइंग और पॉलिश्ड स्किन देते हैं।

- प्लेसेंटा कोलेजन मास्क

हॉलीवुड सिंगर जेनिफर लोपेज अपने चेहरे का ग्लो बनाए रखने के लिए अजीबोरगीब ट्रीटमेंट लेती हैं, जिसे प्लेसेंटा कोलेजन मास्क कहते हैं। इसमें इंसान की गर्भनाल को बाकी प्रोक्ट्स के साथ इस्तेमाल कर एक मास्क बनाया जाता है, जो चेहरे पर बढ़ती उम्र का असर नहीं दिखने देता और आपको ग्लोइंग स्किन देता है।

- मधुमक्खी का जहर

ईी शैल्लङ्क फेशियल के नाम से मशहूर इस ट्रीटमेंट में मधुमक्खी के जहर से बना मास्क इस्तेमाल किया जाता है। इसे ब्रिटेन की रानी केट मिडिल्टन करवाती है, जिससे स्किन यंग और ग्लोइंग रहती है।

- सांप का जहर

हॉलीवुड ऐक्ट्रेस ग्वेनेथ पाल्ट्रो झुर्रियों से बचने के लिए सांप के जहर से बनी क्रीम का इस्तेमाल करती हैं।

- मछली के अंडे से

अभिनेत्री अंजलीना जोली स्ट्रेच मार्कस से बचने और स्मूथ स्किन के लिए कैवियार(मछली के अंडे से बने) ब्यूटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करती है।

- घोंघा का वीर्य

केटी होम्स अच्छी स्किन के लिए घोंघा के वीर्य से बने ब्यूटी ट्रीटमेंट का इस्तेमाल करती है।

- जोंक से खून चुसवाना

चेहरे के खून को साफ करवाने के लिए लीच थेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें जोंक खून से ऐसे टॉक्सिन्स को चूस लेते हैं, जिससे त्वचा चमकदार दिखने लगती है। हॉलीवुड में कई सेलेब्स इसे करवाती है।

- रेड कार्पेट ट्रीटमेंट

स्किन को ब्राइटनिंग, टाइटनिंग और स्मूथ रखने के लिए कई हॉलीवुड सेलेब्स इसे लेते हैं।

- ब्रेस्ट मिल्क फेशियल

इसमें ब्रेस्ट मिल्क को सफेद मिट्टी और विटामिन ई के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाया जाता है, जिससे त्वचा हाइड्रेट और मुलायम होती है।

ब्लड प्रैशर से लेकर कैंसर की बीमारियों में फायदेमंद है हरी मिर्च

खाना खाते समय साथ में हरी मिर्च खाना तो हर कोई पंसद करता है लेकिन शायद ही किसी को इसके पता हो कि हरी मिर्च सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। इसमें विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और काबोर्हाइड्रेट भरपूर मात्रा में होते है। जो शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखते है। इसके अलावा इसमें बीटा कैरोटीन, क्रीप्टोक्सान्थिन, लुटेन -जॅक्सन्थिन जैसे तत्व होते जो आपके स्वास्थ्य को ठीक रखते है। हाल में ही हुए शोध में इस बात का खुलासा किया गया है कि हरी मिर्च खाने से स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है।

1. पाचन क्रिया मजबूत

रोजाना हरी मिर्च खाने से पाचन तंत्र ठीक रहता है। इसमें विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है, जो शरीर में मौजूद दूसरे विटामिन को अवशोषित करने में मदद करता है। इसके अलावा रोजाना इसे खाने से शरीर में एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा ठीक रहती है। जिससे पाचन तंत्र सुचारु रुप से बना रहता है।

2. वजन घटाना

हरी मिर्च खाने से शरीर में बनने वाली ऊष्मा कैलरी बर्न करती है। इसमें मौजूद डाइट्री फाइबर्स शरीर में ज्यादा ऊष्मा को बनाते है। जिससे इसके सेवन से वजन घटाने से मदद मिलती है। इसके अलावा इसे खाने से मेटाबेलिज्म का स्तर भी बढ़ता है।

3. हाई ब्लड प्रैशर

अक्सर इस तरह के मरीजों को फीका और कम तेल का खाना खाने के लिया कहा जाता है। हरी मिर्च में उच्च रक्तचाप को नियत्रिंत रखने के गुण होते है। इसलिए इस तरह के मरीज अपने आहार मे दो से तीन हरी मिर्च को जरुर शामिल करें। इसके अलावा इसे खाने से ब्लच शुगर भी कंट्रोल में रहता है।

4. आंखों और त्वचा के लिए फायदेमंद

विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होती है। आंखों का और त्वचा के सूखेपन को दूर करने के लिए हरी मिर्च सबसे अच्छा तरीका है। विटामिन सी और बीटा कैरोटीन इन प्रॉबल्म को दूर रखने में मदद करता है। हरी मिर्च को हमेशा अंधेरी जगह पर ही रखें रोशनी में रखने से इसके अंदर मौजूद विटामिन सी खत्म हो जाता है।

5. डायबिटीज

हरी मिर्च को रात को एक गिलास में भिगो कर रख और सुबह खाली पेट इसके निकाल कर पानी को पी लें। एक हफ्ते तक इसे पीने से आपकी शुगर कंट्रोल में रहती है। इसके अलावा इसके सेवन से आप दमा, दिमागी बीमारियां और बैक्टीरियल इंफेक्शन से दूर रखती है।

6. कैंसर

हरी मिर्च का सेवन करने से आप फेफड़ो के कैंसर से लेकर लंग्स के कैंसर से बचे रहते है। इसमें मौजूद एंटी आक्सीडेंट्स आपके शरीर की इम्युनिटी को बढ़ा कर आपको कैंसर से लड़ने में मदद करते है। इसलिए रोजाना खाने के साथ इसका सेवन जरुर करें।

Eyebrow को घना करने के लिए बैस्ट हैं ये तरीके

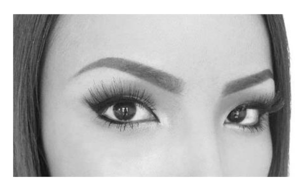

आंखें चेहरे की खूबसूरती का सबसे अहम हिस्सा है। इनकी खूबसूरती और भी बढ़ जाती है,जब आईब्रो यानि भौंहे घनी हो। इसके साथ बिना मेकअप भी आपकी लुक अट्रैक्टिव हो जाती है। जबकि हल्की और पतली भौहें चेहरे को डल दिखाती हैं। कुछ लड़कियां आइब्रो को घना दिखाने के लिए आइब्रो पैंसिल का इस्तेमाल करती हैं लेकिन यह अस्थायी तरीका है। आप भौहों को स्थाई तौर पर भी घना बना सकती हैं। इसके लिए आपको कुछ घरेलू तरीके अपनाने से बहुत फायदा मिलेगा।

कैस्टर ऑयल

कैस्टर यानि आरंडी का तेल आइब्रो को जल्दी घना बनाने के लिए बहुत असरदायक है। इससे बालों की ग्रोथ जल्दी होनी शुरू हो जाती है। रात के समय इसका इस्तेमाल ज्यादा फायदा पहुचाता है। रूई पर थोड़ा सा कैस्टर ऑयल लगा कर इसे भौहों पर लगाएं। इसके बाद उंगुलियों से धीरे-धीरे आइब्रो की मसाज करें और 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से इसे धो लें।

नारियल का तेल

नारियल तेल में विटामिन ई,आयरन और न्यूट्रिशियंस बालों की ग्रोथ के लिए बहुत बढिया है।भौहों के लिए भी यह बहुत कारगर है। रात को आइब्रो पर नारियल तेल की कुछ बूंदे लगाकर मसाज करें। इससे ब्लड सकुर्लेशन बेहतर होता है,जिससे बालों की ग्रोथ बढने लगती है। इसे रात भर ऐसे ही लगा रहने दें। रोजाना कम से कम एक महीने तक इसका इस्तेमाल करें।

जैतून का तेल

इसमें मौजूद विटामिन ई बालों को घना और मजबूत बनाता हैं। जैतून के तेल में थोड़ा सा शहद मिलाकर 2 मिनट के लिए इससे आइब्रो की मसाज करें और पानी से धोएं। इसके अलावा रात को सोने से पहले भौहों पर जैतून का तेल लगाकर 2 मिनट के लिए मसाज करें।

प्याज का रस

बालों की ग्रोथ को बढ़ाने के लिए प्याज का रस भी कारगर है। प्याज का रस निकाल कर इसे आइब्रो पर लगाएं और 5 मिनट बाद ठंड़े पानी से धो लें। इसे हफ्ते में 2 बार भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रियंका चोपड़ा ने पूरी की हॉलीवुड फिल्म 'टेक्स्ट फॉर यू' की शूटिंग

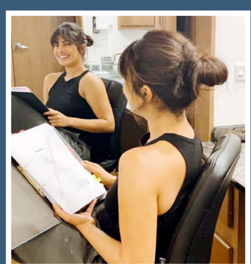

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने लंदन में अपनी आगामी हॉलीवुड फिल्म 'टेक्स्ट फॉर यू' की शूटिंग पूरी कर ली है। जिम स्ट्रॉस निर्देशित यह रोमांटिक फिल्म साल 2016 में जर्मन भाषा में आई सुपरहिट फिल्म 'एसएमएस फॉर डिच' से प्रभावित है जो सोफी क्रामर की इसी नाम से आए उपन्यास पर आधारित थी। फिल्म की शूटिंग पूरी होने पर प्रियंका चोपड़ा ने टीम को धन्यवाद दिया है कि लॉकडाउन के सख्त प्रतिबंधों के बावजूद उन्होंने ये काम अच्छे से पूरा किया। इस फिल्म की शूटिंग के लिए प्रियंका पिछले कुछ महीनों से लंदन में रह रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए शूटिंग के समाप्त होने की जानकारी दी। इस तस्वीर में वह फिल्म की स्क्रिप्ट की कॉपी लिए हुए दिख रही हैं। उन्होंने लिखा, समापन हो गया। पूरी टीम को बधाई और धन्यवाद। आपको फिल्म में देखेंगे। वहीं एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, सेट पर आखिरी दिन! हैशटैग टेक्स्ट फॉर यू। इस अविश्वसनीय क्रू को याद करूंगी, जिसके साथ मैंने पिछले 3 महीने बिताए हैं।

कार्तिक आर्यन ने 'धमाका' की 10 दिनों की शूटिंग के लिए 20 करोड़ रुपये!

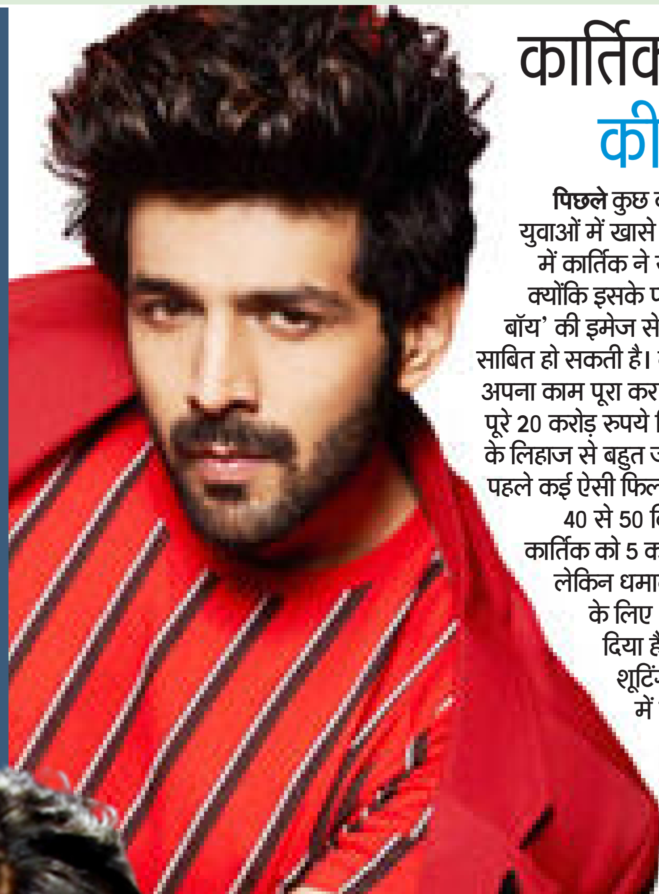

पिछले कुछ वर्षों में जो अभिनेता तेजी से उभरे हैं उनमें से एक कार्तिक आर्यन भी हैं। कार्तिक युवाओं में खासे लोकप्रिय हैं और फिल्म निर्माताओं के बीच उनकी अच्छी-खासी मांग है। हाल ही में कार्तिक ने राम माधवानी की फिल्म 'धमाका' पूरी की है। कार्तिक ने यह फिल्म इसलिए की क्योंकि इसके पहले उन्होंने ऐसी फिल्म और ऐसा किरदार कभी अदा नहीं किया। कार्तिक 'लवर बॉय' की इमेज से बाहर आना चाहते हैं और 'धमाका' जैसी फिल्में इस मामले में उनकी मददगार साबित हो सकती है। कार्तिक ने इस फिल्म के लिए महज 10 दिनों में अपना काम पूरा कर लिया और 10 दिन के बदले में उन्हें पूरे 20 करोड़ रुपये मिले। यह कार्तिक के स्टारडम के लिहाज से बहुत ज्यादा है। कार्तिक ने इसके पहले कई ऐसी फिल्में की हैं जिनकी शूटिंग 40 से 50 दिनों तक चली है और कार्तिक को 5 करोड़ रुपये मिले हैं, लेकिन धमाका ने तो कार्तिक के लिए भी धमाका कर दिया है। धमाका की शूटिंग एक होटल में की गई थी। इस होटल में पूरी टीम भी ठहरी हुई थी।

श्रीराम राघवन की अगली फिल्म में कैटरीना के हीरो होंगे विजय सेतुपति

बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कैटरीना कैफ दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार विजय सेतुपति के साथ काम करती नजर आएंगी। बॉलीवुड में चर्चा है कि कैटरीना कैफ ने एक फिल्म साइन की है और वह इस फिल्म में साउथ स्टार विजय सेतुपति के ऑपोजिट नजर आएंगी। कैटरीना कैफ निर्देशक श्रीराम राघवन की अगली फिल्म में काम करेंगी और इस फिल्म में विजय सेतुपति लीड रोल में नजर आएंगे। कैटरीना कैफ इस समय अपनी फिल्म 'सूर्यवंशी' के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। कोरोना वायरस के चलते लॉकडाउन के कारण यह फिल्म रिलीज नहीं हो पाई थी। निर्देशक रोहित शेट्टी की इस फिल्म में कैटरीना के साथ अक्षय कुमार नजर आएंगे। इसके अलावा कैटरीना कैफ हॉरर कॉमेडी 'फोन भूत' में सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ काम कर रही हैं। वहीं, विजय सेतुपति सुपरहिट तमिल फिल्म 'मानागरम' के हिंदी रीमेक के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का निर्देशन संतोष सिवन करेंगे और विजय सेतुपति हास्य भूमिका निभाएंगे।